695

HD-01

June - Examination 2019

B.A. Pt. I Examination

हिन्दी पद्य भाग–I (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Paper - HD-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 70**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$7 \times 2 = 14$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) 'पृथ्वीराज रासो' ग्रन्थ के रचयिता का नाम लिखिए।

(ii) कृष्ण भक्ति काव्यधारा के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए।

(iii) कबीर के राम कौन थे? उनका स्वरूप कैसा था?

(iv) दादूपंथ को कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(v) मलिक मोहम्मद जायसी किस काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि माने जाते हैं?

(vi) तुलसीदास कृत 'विनयपत्रिका' के बारे में आप क्या समझते हैं?

(vii) मीरा ने अपने आराध्य 'कृष्ण' का चित्रण किस प्रकार किया है?

खण्ड – ब **4 × 7 = 28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2) 'बिहारी सतसई' में नीति सम्बन्धित तत्वों का वर्णन कीजिए।

3) रहीम के काव्य–सौन्दर्यं का वर्णन कीजिए।

4) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–
बैन वही उनको गुन गाइ औ कान वही उन बैनसौ बानी।
हाथ वही उन गात सरै अरु पाइ वही जु वही अनुजानी।।
जान वही उन आन कै. मो औ मान वही जू करै मनमानी।
त्यौं रसखान वही रसखानि जु है रसखानि सों है रसखानी।

5) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
लाली मेरे लाल की जित देखूँ तित लाल।
लाली देखन मैं गयी, मैं भी हो गयी लाल।।
माटी कहे कुमार से, तू क्या रौंदे मोय।
इक दिन ऐसा आएगा, मैं रोदूँगी तोय।।

6) तुलसी दास की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

7) 'कबीर समाजसुधारक कवि थे।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

8) सूरदास के काव्य के भाव पक्ष का वर्णन कीजिए।

9) रसखान के काव्य का महत्त्व रेखांकित कीजिए।

खण्ड – स **$2 \times 14 = 28$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10) घनानंद के काव्य के भाव और शिल्प सौन्दर्य का उद्‌घाटन कीजिए।

11) रस का अर्थ, स्वरूप और उसके विभिन्न अवयवों का वर्णन कीजिए।

12) रीतिकाल की पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए रीतिकाल में बिहारी काव्य के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

13) टिप्पणी लिखिए । (किन्हीं दो पर)

अ) अनुप्रास अलंकार

ब) उपमा अलंकार

क) चौपाई छन्द

ड) रोला छन्द